

MAHANTH MAHADEVANAND MAHILA MAHAVIDYALAYA, ARA

ACTIVITY REPORT

Name of the Department: Department of History

Name of activity: Historical Significance of Museums and Archives

Level of activity: Departmental Departmental/Institutional/State/National/International

Date of activity: 27-5-23

Head of The department: Dr. Rajiv Kumar

Name of Resource person/s: Dr. Sharda Sharan (Archivist, Bihar State Archive) and Dr. Shashi Bhushan Deo (Assistant Professor PG Department, VKSU.)

Number of teacher participated: 30

Number of students and participants: 30

Fruitful Outcome of the activity:

This one-day seminar was aimed to introduce students with significance of locating history through museums and archives. The resource persons explained students why these two spaces are important for tracing history and doing research. Dr. Shashi Bhushan Deo explained how National Archives of India in Delhi has a rich collection of sources which are very important in writing official history of any event. The difference between finding authentic sources and assessing wrong ones were explained. Through these spaces national historians are writing against the Euro centric view of India was pointed out by Dr. Rajiv Kumar. Dr. Abha Singh focused on maintaining culture. of archives. Dr. Sharda Sharan talked about how records are maintained in archives. She also focused on how museums are spaces of learning about our heritage and culture. Who can be a historian and in what way history is written were themes focused during the seminar. Students at BA undergraduate level are now being guided to do authentic history

writing and basics of research is being introduced with the new CBCS syllabus. Thus this seminar was a step in making students familiarized on these themes. The seminar was interactive and was successful in creating interest in students' mind. Students paper presentation was part of this seminar and they were awarded prizes.

Signature

Report prepared by Dr. Anupama

Assistant Professor, Dept. of History

MEDIA COVERAGE/PHOTOGRAPHS





प्राचीन भारतीय गौरवशाली इतिहास पढ़ने और पढ़ाने की जरूरत : प्राचार्या महिला कॉलेज में संग्रहालय एवं अभिलेखागार का ऐतिहासिक महत्व पर गोष्ठी आयोजित

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

आरा : महंथ महादेवानंद महिला महाविद्यालय के सभागार में इतिहास विभाग द्वारा 27 मई को 'संग्रहालय एवं अभिलेखागार का ऐतिहासिक महत्व' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य प्रो आभा सिंह ने किया।

सामूहिक दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ तत्पश्चात छात्राओं ने सभी अतिथियों को पौधा देकर सम्मानित किया। छात्राओं को संबोधित करते हुए प्रो आभा सिंह ने कहा कि इतिहास एक ऐसा दस्तावेज होता है जिसे सदियों सदियों तक लोग पढ़ते हैं, उनकी अच्छाइयों से सीखते हैं, वीरता का गुणगान करते हैं, पूर्वजों को याद करते हैं और सदगुणों गुणों का अनुकरण करते हैं। अच्छे इतिहासकार सच्चाई को रेखांकित



करते हैं। लेकिन प्राचीन भारतीय गौरवशाली इतिहास को धुमिल किया गया है। विषय प्रवेश कराते हुए विभागाध्यक्ष प्रो राजीव कुमार ने कहा की इतिहास की सच्चाई को सामने लाने में संग्रहालय तथा अभिलेखागार की भूमिका महत्वपूर्ण है। बिना साक्ष्य के, बिना प्रामाणिकता के इतिहास की सही विवेचना नहीं है। यूरोपियन केंद्रित इतिहासकारों ने भारतीय इतिहास को विकृत कर दिया है। अब भारतीय इतिहासकारों ने सही और गौरवशाली पुनर्लेखन

कर रहे है। स्नातकोत्तर इतिहास विभाग वीकेएसयू के सहायक आचार्य डॉ शशि भूषण देव ने संग्रहालयों के प्रकार बताते हुए उनके इतिहास से अवगत कराया।

बिहार राज्य पटना में पुराभिलेखपाल डॉक्टर शारदा शरण ने अभिलेखों के महत्व से लेकर उनके रख-रखाव के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की। छात्राओं ने सभागार में अपने आलेख प्रस्तुत किये। जिसमें प्रथम स्थान पर संवुक्त रूप से दो छात्राएं

कल्याणी कुमारी और सुप्रिया पाठक रहीं, द्वितीय स्थान पर सुप्रिया सिंह तथा तृतीय स्थान पर प्रीति कुमारी रहीं। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कार्यक्रम का समापन डॉक्टर अनुपमा ने किया। मंच संचालन डॉ संगीता सिंह ने किया। महाविद्यालय के शिक्षक डॉ विजय श्री, डॉ सुधा निकेतन रंजनी, पुनम श्रीवास्तव, डॉ अंजू कुमारी, डॉ शुमैला फातिमा, युगल प्रसाद, डॉ अनिता कुमारी, डॉ नेहा वर्मा, राजवाला और प्रीति कुमारी आदि उपस्थित रहे।

विरासत को संरक्षित करने में मदद करते हैं संग्रहालय

आरा। निज प्रतिनिधि। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय की अंगीभूत इकाई महंथ महादेवानंद महिला महाविद्यालय के इतिहास विभाग की ओर से संग्रहालय एवं अभिलेखागार का ऐतिहासिक महत्व विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। अध्यक्षता प्राचार्या डॉ आभा सिंह ने की। इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ राजीव कुमार ने विषय प्रवेश कराया।

मुख्य वक्ता वीर कुंवर सिंह विवि स्नातकोत्तर इतिहास विभाग के डॉ शशिभूषण देव ने संग्रहालयों के प्रकार बताते हुए उनके इतिहास से अवगत कराया। कहा कि संग्रहालय हमारी धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक मूल्य की वस्तुओं और सामग्रियों को एकत्र और संरक्षित करते हैं। संग्रहालय हमारी सांस्कृतिक विरासत को

- संग्रहालय एवं अभिलेखागार का ऐतिहासिक महत्व पर संगोष्ठी
- आलेख प्रस्तुत करने वाली छात्राओं को किया गया पुरस्कृत

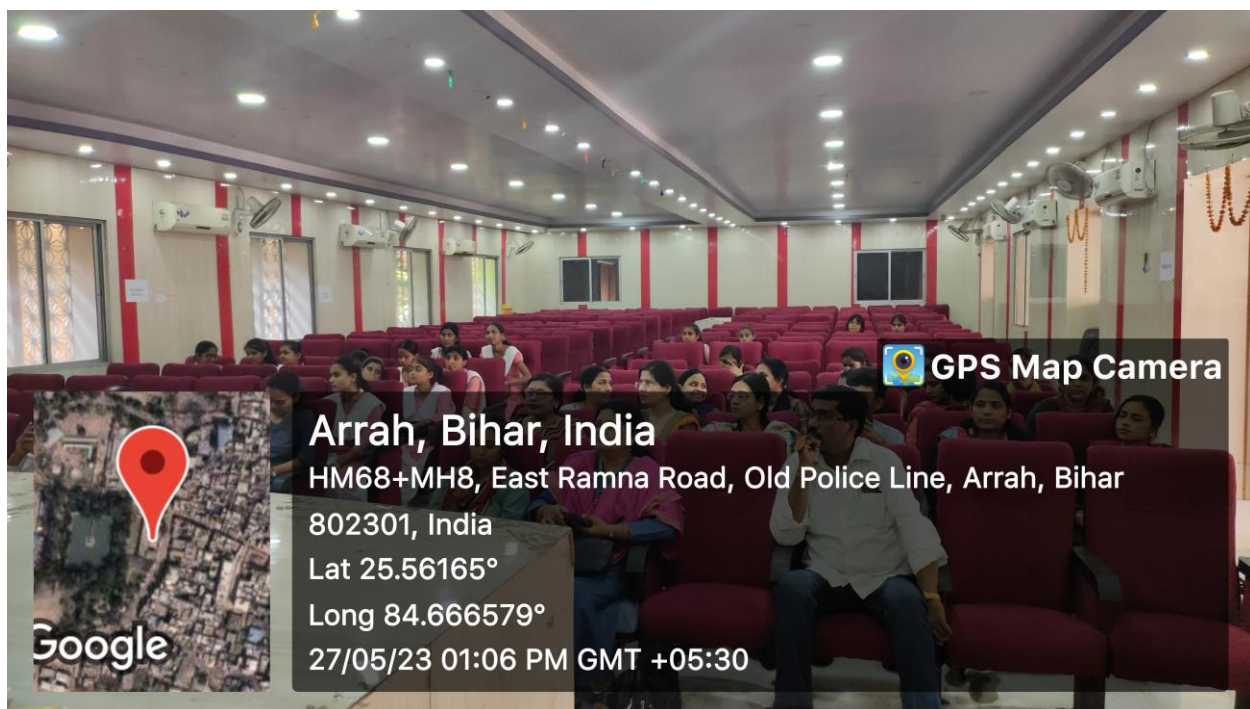
संरक्षित बढ़ावा देने में मदद करते हैं। बिहार राज्य पटना में पुराभिलेखपाल डॉक्टर शारदा शरण ने अभिलेखों के महत्व से लेकर उनके रखरखाव के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की। छात्राओं ने सभागार में अपने आलेख प्रस्तुत किये। प्रथम स्थान पर संयुक्त रूप से दो छात्राएं रही। इनमें कल्याणी कुमारी और सुप्रिया पाठक शामिल थी, जबकि द्वितीय स्थान पर सुप्रिया सिंह



महिला कॉलेज में आयोजित संगोष्ठी का उद्घाटन करते अतिथि, प्राचार्या और अन्य।

तथा तृतीय स्थान पर प्रीति कुमारी रहीं। संचालन डॉ संगीता सिंह और धन्यवाद ज्ञापन डॉ अनुपमा ने किया। मौके पर डॉ विजय श्री, डॉ सुधा निकेतन रंजनी, डॉ

पूनम श्रीवास्तव, डॉ अंजू कुमारी, डॉ शुभेला फातिमा, डॉ युगल प्रसाद, डॉ अनिता कुमारी, डॉ नेहा वर्मा, डॉ राजबाला और प्रीति कुमारी सहित कई छात्राएं मौजूद थीं।



GPS Map Camera

Arrah, Bihar, India

HM68+MH8, East Ramna Road, Old Police Line, Arrah, Bihar

802301, India

Lat 25.56165°

Long 84.666579°

27/05/23 01:06 PM GMT +05:30

Google

